Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–8)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/24 (D-A)–M–**GSM (M-I)-2408**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: ARUN MALVIYA **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** 23866

Center & Date: MN, Delhi **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 7806712

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. प्रथम विश्व युद्ध की समवर्ती घटनाएँ इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का मूल कारण कैसे है व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how the Israel-Palestine conflict traces its origins back to events surrounding the First World War. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष पिछले एक वर्ष से अधिक समय से मध्य खाड़ी देशो में चिंता का सबब बने हुए है, जिसकी जड़े हमें प्रथम विश्व युद्ध के समय में देखी जा सकती है।

प्रथम विश्व युद्ध की समवर्ती घटनाएं
- → 1914-1918 की समय
- → इजराइल - यहुदी धर्म एवं इस्लाम धर्म पर तनाव
- → मस्जिद तथा येरुशलम जैसे धार्मिक जगहो पर विवाद
- → मित्र देश और जर्मनी के मध्य विवाद

इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष के मूल कारण में WW-I की समवर्ती घटनाएं

① धार्मिक स्थलो पर तनाव का माहोल
- ↳ येरुशलम तथा गुम्बदनुमा नीली मस्ज़िद पर तनाव
- ↳ इस्लाम धर्म और यहुदियो का टकराव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) मित्र देशो तथा जर्मनी के मध्य स्थिति:

- भूमध्य सागरीय पूर्वीय क्षेत्रो पर युद्ध का माहोल
- फिलिस्तीन एवं इजराइल देशो में सेना नियुक्ति।

(3) शस्त्रीकरण का बढ़ता व्यापार

- मध्य पूर्व एशिया तथा पश्चिमी एशिया क्षेत्रो में हथियारो की आपुर्ति
- मित्र देशो द्वारा सामरिक रणनीति नियंत्रण।

(4) तुष्टीकरण की नीति

- राष्ट्रप्रमुखो द्वारा स्वहित में क्षेत्रीय स्थानो पर असंतुलन की स्थिति।

हालांकि इजराइल फिलिस्तीन विवाद प्रथम विश्व युद्ध के बीज के साथ अंकुरित हुआ जो बदलते भू राजनीतिक परिदृश्य मे दोबारा शुरु हो गया। UN, शांति, युद्ध नैतिकता डिप्लोमेसी, डायलाग से इसे शिथील करना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. भक्ति आंदोलन ने तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत और लैंगिक मानदंडों को किस सीमा तक चुनौती दी? परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

To what extent did the Bhakti movement challenge existing caste and gender norms in Indian society? Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भक्ति आंदोलन दक्षिण भारत से शुरु होकर उत्तर भारत में पहुंचा, जिसने भक्ति माध्यम से जाति, लिंग आधारित भेदभाव को चुनौति दी।

भक्ति आंदोलन से तत्कालीन समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था तथा लैंगिक मानदण्ड में सुधारात्मक प्रभाव

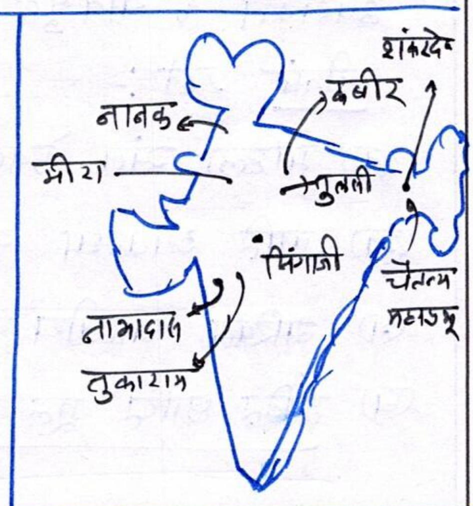

भारतीय भक्ति आंदोलन 12th AD century

↳ (क) "जाति व्यवस्था"

↳ कबीर जैसे संतो ने कठोर भाषा में प्रहार

"जाति न पुछो साधो की पुछ लिजीए ज्ञान"

↳ गुरुनानक देव महाराज ने लंगर प्रथा शुरु की

↳ साथ बैठकर खाना → समानता

↳ संत रविदास / रैदास

↳ पिछड़ी जाति से स्वयं > जाति नहीं, भक्ति को आधार माना।

↳ अन्य → तुकाराम
→ दक्षिण भारतीय अलवार / नयनार ने भी जाति खंडन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लैंगिक मानदण्ड

(i) स्त्री को पुरुषो के समान भक्ति का अधिकार
जैसे- संत अण्डाल (अलवार)

(ii) स्त्री दासता के प्रति विद्रोह का भाव
• तुलसीदास → सीता की मुक्ति

(iii) स्वयं महिलाओ ने आकर समाज के नियमो, परम्पराओ को चुनौति दी → संत मीराबाई

उपरोक्त के बावजुद इस आंदोलन की अपनी सीमांए रही :-

(क) महिला संत केवल गिनी चुनी ही थी।

(ख) जाति व्यवस्था का प्रखर विद्रोह नहीं।

(ग) अखिल भारतीय स्तर पर सामाजिक चेतना नहीं।

(घ) भक्ति प्राप्ति मूल उद्देश्य था, समाज जागृति नहीं।

हालांकि भक्ति आंदोलन इन सबके बावजुद अपने युग का स्वर्णकाल रहा क्योंकि आज का समाज जहां जाति और नारी मुद्दे पर खुलकर न्याय नही कर पाता वह उन्होंने आज से 1000 वर्ष पूर्व शुरु कर दी थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. अफ्रीका का विभाजन क्या है? अफ्रीका में उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया कैसे शुरू हुई?(150 शब्द) 10

What is Scramble of Africa? How did the process of decolonization unfold in Africa?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अफ्रीका का विभाजन ब्रिटिश शासन पद्धति तथा अन्य यूरोपीय औपनिवेशिकों ने अपने हितों को ध्यान में रखकर किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. सेंगोल स्थापना के सांस्कृतिक महत्त्व पर विशेष ज़ोर देते हुए, परीक्षण कीजिये कि किस प्रकार नया संसद भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। (150 शब्द) 10

Examine how the new parliament building embodies various aspects of Indian culture, with a keen focus on the cultural significance associated with the installation of the Sengol. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हालियां समय में भारतीय संस्कृति के विविध आयामो को समेटे हुए नवीन संसद भवन (द विस्टा प्रोजेक्ट) को आजादी के अमृतकाल में स्थापित किया गया।

सेंगोल स्थापना का सांस्कृतिक महत्त्व

- दक्षिण भारत संस्कृति प्रतिनिधित्व
- चोल कालीन
- सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक
- राजतंत्र पर लोकतांत्रिक मूल्यों का महत्त्व
- क्षेत्रीय सांस्कृतिक अस्मिता
- आर्य-द्रविड़ एकता

नये संसद भवन में भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलु:-

① संस्कृति समायोजन:- विभिन्न जगहो से भारतीय संसद में सांस्कृतिक मूल्यों को ग्रहण किया।

उदाहरण:- जगन्नाथ पुरी मंदिर से मूर्ति स्थापत्य।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

· मध्यप्रदेश के चौसठ योगिनी मंदिर से सिंह की आकृति का अंकन आदि।

② उत्तर-द्रविड़ संस्कृति प्रतिनिधित्व

→ राजधानी दिल्ली में तमिलनाडु के चोल शासक के सेंगोल का स्थानांतरण

→ कर्नाटक, केरल और आंध्रप्रदेश की मूर्तिकला, चित्रकला का संसद में रखना।

③ प्राचीन गौरवमयी संस्कृति का चिन्ह

→ मौर्य सम्राट अशोक > अशोक स्तम्भ

→ बैठक व्यवस्था > राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रभावित

→ मंदिरों से सीढ़ियों की डिजाइन बनाना।

④ अन्य
→ वास्तुकला के अन्य क्षेत्र
→ मूर्तियों की स्थापना
→ निर्माण समय में सामग्री आदि।

भारत सरकार नवीन ऊर्जा, नई उमंग के साथ प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखकर अपने पंचप्रण तथा New India @75 को साकारित कर रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 1929 की महामंदी के बहुमुखी प्रभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Elaborate on the multifaceted impact of the Great Depression of 1929. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पूँजीवादी तत्वों में हुई विचलन के कारण वर्ष 1929 में सदी की सबसे भयावह आर्थिक मंदी देखने को मिली।

1929 की महामंदी के बहुमुखी प्रभाव

(क) आर्थिक क्रियाओं पर प्रतिकूल प्रभाव
- अमेरिका, यूरोपीयन देश आदि इनसे अधिक प्रभावित
- बैंक क्रैश, मांग और आपूर्ति बाधित
- भूमण्डलीकरण की प्रक्रिया > सभी देशो पर प्रभाव।

(ख) समाज पर प्रभाव
- खाद्यान्न वस्तुओं की कमी > स्वास्थ्य चिंता ↓ कुपोषण
- मुद्रास्फीति बढ़ना > जीवन स्तर में कमीं
- सामाजिक आर्थिक विषमता की खाई बढ़ी।

उदाहरण:- पूंजीवाद और समाजवाद पर चर्चा
- जर्मनी में प्रभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ग) राजनीतिक रचनाक्रम में परिवर्तन

- विश्व में पूँजीवादी मूल्यों से दूरी। सुधार पर बल दिया।
- द्वितीय विश्व युद्ध (WW-II) में उत्प्रेरक
- जर्मनी में नाज़ीवाद को बढ़ावा मिला।

घ) अन्य प्रभाव
- मानवतावाद पर संघर्ष ↑
- संस्थाओं के प्रति अविश्वास ↑
- भौगोलिक पलायन ↑

1929 की महामारी से विश्व को शिक्षा (सकारात्मक प्रभाव)
- पूँजीवाद में तत्कालीक सुधार जरूरी
- शक्ति / धन के विकेन्द्रियकरण पर बल।
- वैकल्पिक पूँजी उपकरण की तलाश

स्पष्टतः कह सकते है कि,
1929 की महामारी विश्व में आर्थिक संकट लेकर आई, जिसके प्रति वैश्विक शक्तियों ने सुधारात्मक कार्य भी किए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्त काल के योगदान पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Highlight the contribution of Gupta Period to Indian heritage and culture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय इतिहासकार राम-शरण शर्मा ने गुप्तकाल की सांस्कृतिक गुणों के आधार पर स्वर्णयुग की संज्ञा दी है।

भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्तकाल का योगदान

(क) सांस्कृतिक योगदान:

- मंदिरो का निर्माण – भागवत धर्म एवं दर्शन का प्रसार
  - उदा.> नचना-कुठार मंदिर (म.प्र.), तिगवा शिव मंदिर, दशावतार मंदिर, देवगढ़ (उ.प्र.)

- साहित्यिक ग्रंथ परम्परा
  - खगोल शास्त्रीय साहित्य > आर्यभट्ट < सूर्यसिद्धांत, आर्यभट्टीयम्
  - प्रकृति चित्रण एवं कहानियाँ → कालिदास → अभिज्ञान शकुंतलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्
  - मृच्छकटिकम् – शुद्रक
  - ऐतिहासिक साहित्य > विशाखादत्त > देवीचन्द्रगुप्तम्
  - अन्य ग्रंथ → हितोपदेश > नारायण पण्डित; पंचतंत्र की कहानिया आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

▶ **गुफाएं**

↳ उदयगिरि की गुफा (विदिशा, म.प्र.)

↳ सोए हुए विष्णु की प्रतिमा

↳ रसातल से धरती को लाते विष्णु

▶ **स्तंभ**

↳ हेरियोडोयरस का स्तंभ (म.प्र.)

▶ **शैलियाँ** → मंदिर निर्माण शैली > नागर शैली

↳ चित्रकला शैली आदि।

अन्य योगदान
→ संस्कृति प्रसरण > अखिल भारतीय स्तर पर – समुद्र गुप्त
→ जैन धर्म संरक्षण
→ बौद्ध धर्म → चैत्य, विहार निर्माण

उदाहरण – बाघ की गुफाएं (म.प्र.)

गुप्तकालीन समाज कुछ आक्षेपों (दास प्रथा, स्त्री दासता, शूद्र चिंतन) के पश्चात् भारतीय इतिहास का एक '<u>घुमावदार बिन्दु</u>' का काल रहा, जिसकी प्रस्तुति हमें आज के भारत में भी दिखाई देती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित करने में राजा रवि वर्मा की चित्रकला के प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the impact of Raja Ravi Varma's paintings on fostering nationalist sentiment during colonial India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजा रवि वर्मा भारतीय चित्रकला के महान चित्रकार थे जिनका संबंध पश्चिम बंगाल भारतीय राजवंश से रहा।

राष्ट्रवादी भावना प्रोत्साहन में राजा रवि वर्मा की चित्रकला का प्रभाव

- सांस्कृतिक चेतना का जागरण
  - चित्रकला में पौराणिक- पारम्परिक मूल्यों को प्राथमिकता देना।
  - धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्तर पर नवजागरण।
- क्रांतिकारी चेतना का प्रसार
  - चित्रण कला में ऐसे चित्रों को प्राथमिकता दी जिससे देश प्रेम का संदेश समाज में जाए।

उदाहरण:- बंगाली संस्कृति का चित्रण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजशाही का प्रतिरोध

- धन की लालसा से चित्र निर्माण नहीं
- चित्र निर्माण का उद्देश्य अपनी कला से लोगों में अलख जगाना।

अन्य प्रभाव

- देशप्रेम
- नैतिक मूल्यों का विकास
- राष्ट्रवाद
- क्रांतिकारी चेतना के प्रति प्रेम
- बंगाली अग्रदूत

राजा रवि वर्मा ने बंगाल परम्परा से औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध 'कलात्मक विद्रोह' प्रदर्शित कर राष्ट्र के प्रति सच्ची राष्ट्रभक्ति पेश की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. चीन में बॉक्सर विद्रोह में योगदान देने वाले कारकों और प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the factors and impact contributing to the Boxer Rebellion in China.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चीन के बॉक्सर विद्रोह में योगदान देने वाले कारक

- संस्कृति पर खतरा।
- शोषणवादी प्रवृत्ति बढ़ना।
- लोगो के अधिकारो का हनन
- न्याय की अवधारणा धूमिल
- शासन की भ्रष्टाचारिता
- सामाजिक असंतोष
- असुरक्षा का भाव

बॉक्सर विद्रोह के प्रभाव का विश्लेषण।

- (1) जनता में क्रांतिकारी चेतना का भाव
- आम जनमानस का रक्तगत संघर्ष
- राष्ट्रवादी मूल्यों के प्रति निष्ठा।
- अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस
- युद्ध की स्थिति पर सैनिको को खतरा।
- औपनिवेशिक सत्ता के प्रति विद्रोह
- बच्चो और महिलाओ पर प्रतिकूल प्रभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. चोल वास्तुशिल्प मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति में एक शिखर का प्रतीक है। टिप्पणी कीजिये।

(150 शब्द) 10

The Chola architecture signifies a pinnacle in the progression of temple architecture. Comment.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चोल राजवंश दक्षिण भारतीय समाज का प्रसिद्ध वंश है जो अपनी कांस्य मूर्तिकला तथा मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति के लिए विश्व विख्यात है।

चोल वास्तुशिल्प मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति में एक शिखर के रूप में

- तंजोर का बृहदेश्वर मंदिर राजा राजदेव द्वारा
- द्रविड़ शैली का शानदार चित्रण
- भव्य मंदिर शैली निर्माण

उदाहरण गोडवचलम् के मंदिर

- अलंकरण का विशेष ध्यान

उदाहरण: भगवान शिव का मंदिर का शिखर (तंजोर)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

④ विशाल गोपुरम् तथा प्रवेश द्वार

⑤ मंदिर की ऊँचाई पर्याप्त तथा उसकी स्थापना अष्टभुजाकार, षट्भुजाकार शैली में करना।

⑥ पंचायतन शैली से भी प्रभावित।

⑦ मंदिरों के समक्ष गौण मंदिरों का भी निर्माण।

चोल कालीन साम्राज्य मदुरा शैली तथा द्राविड़ शैली की भव्यता को दिखाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. 19वीं सदी के अंत में जापान के बढ़ते साम्राज्यवाद के कारणों और परिणामों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the reasons and consequences of Japan's increasing imperialism towards the conclusion of the 19th century. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

19वीं सदी के अंत में जापान में बढ़ते साम्राज्यवाद के कारण

- आर्थिक आपूर्ति
- राजनीतिक इच्छा
- खनिज एवं खाद्यान्न पदार्थों की मांग
- उभरता हुआ बाजार
- प्रशांत महासागर की उपस्थिति
- संसाधन की प्राप्ति
- यूरोपीय कंपनियों में प्रतिस्पर्धा

परिणाम

- जापान उपनिवेश बना ⇓ विदेशी शक्ति का वर्चस्व बढ़ा।
- संसाधनों का दोहन एवं इस्तेमाल उपयोग
- जनता में विद्रोह
- ब्रिटिश प्रभुत्व का बढ़ता प्रभाव
- आर्थिक क्षति ↓ धन का बाहर जाना।
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्तर पर भी बदलाव ↓ मिश्रित संस्कृति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. फ्राँसीसी क्रांति की शुरुआत में योगदान देने वाले कारकों का परीक्षण कीजिये और इसके ऐतिहासिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that contributed to the onset of the French Revolution and elaborate on its historical significance. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

फ्रांस की क्रांति (1789) विश्व को नवीन आधुनिक मूल्यों को प्रतिपादित करने तथा "संघर्षरत होकर अन्याय के खिलाफ लड़ने" से प्रभावित थी।

फ्रांस की क्रांति में योगदान देने वाले कारक

→ (क) विशेषाधिकार युक्त समाज

→ समाज > तीन वर्गों में बंटा → उच्च वर्ग, मध्यम वर्ग, निम्न वर्ग

↓

उच्च वर्ग विशेषाधिकार संपन्न और अधिक अधिकारों से युक्त

↓

निम्न वर्ग का विद्रोह जिसे मध्यम वर्ग ने प्रतिनिधित्व किया।

→ (ख) अन्याय पूर्ण कर व्यवस्था (Tax system)

→ उच्च वर्ग > कर से मुक्त

→ सम्पूर्ण कर भार > निम्न वर्ग पर आरित → क्रांति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ग) खाद्यान्न संकट
↳ आम लोगो को 'ब्रेड-रोटी' न मिल पाना।
↳ मुद्रास्फिति, भ्रष्टाचार, कालाबाजारी.

(घ) राजनीतिक निरंकुशता
↳ लुई-XIV द्वारा भोगलिप्सा, उपभोक्तावादी मानसिकता
↳ मंत्रियो-सलाहकारो का अति-दखल व्यवहार
↳ प्रजा न्याय के प्रति जवाबदेह नहीं।

(ङ) अन्य कारण → साहित्यिक चेतना > रूसो, मांटेस्क्यू का प्रभाव
→ मध्यम वर्ग का नेतृत्व
→ टेनिस कोर्ट की घटना आदि।

1789 में फ्रांस की क्रांति → राजसत्ता की निरंकुशता समाप्त → जनता शासन

फ्रांस की क्रांति का ऐतिहासिक महत्व
↳ नवीन आधुनिक मूल्यों की प्राप्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदाहरण:- समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व के मूल्य।

iii) संघर्ष के लिए तत्पर रहना

- अमेरिका क्रांति से सीख.
- विश्व के अन्य उपनिवेशिक देशों के लिए प्रेरणा

उदाहरण:- जापानी स्वतंत्रता आंदोलन पर प्रभाव।

iv) दार्शनिक पुनर्जागरण

→ मांटेस्क्यू की "द स्पिरिट ऑफ लॉ" पुस्तक

↓

शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत — न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका

↓

'राज्य' का नवीन रूप

v) अन्य महत्व: → राजतंत्र पर जनता की जीत
→ रूस की क्रांति में उत्प्रेरक की भूमिका
→ नवीन नेताओं की प्राप्ति > नेपोलियन पश्चात शासक

स्पष्टतः फ्रांस की क्रांति (1789) विश्व की गौरवमयी क्रांति घटना है जिससे भारतीय संविधान ने भी स्वतंत्रता, समानता बंधुत्व के मूल्यों को आत्मसात, अंगीकृत और आत्मार्पित किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत परंपराओं में क्या भिन्नताएँ हैं और ये भिन्नताएँ किस प्रकार दोनों की प्रदर्शन शैलियों को प्रभावित करती हैं? (250 शब्द) 15

What are the key characteristics that differentiate Hindustani and Carnatic music traditions, and how do they influence the performance styles in each? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की क्रमशः उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय शैलियां है, जो अपने मौलिकता के कारण प्रसिद्ध है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति ने विश्व की वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

How did the end of World War II impact the global political order of the world? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्द 1939 से 1945 तक चला। जिसने संपूर्ण विश्व को बहुआयामी दृष्टिकोण से प्रभावित किया।

द्वितीय विश्व युद्द की घटना
- ← मित्र देशो की विजय
- ← जर्मनी में नाजीवाद और हिटलर
- ↓ परमाणु हमले नागाशाकी, हिरोशिमा
- → मित्र देशो तथा पूर्वी देशो के मध्य संघर्ष
- → अमेरिका और USSR की भूमिका

द्वितीय विश्व युद्द से वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था पर प्रभाव

↳ विश्व का दो गुटो। द्विध्रुव में बंटना।
- ↳ एक खेमा अमेरिका के नेतृत्व में पूर्वी पश्चिमी जगत का → अमेरिका, यूरोपीय संघ > NATO
- ↳ एक खेमा USSR के नेतृत्व में > पूर्वी देशो का समूह
- ↳ NAM जैसे गुटो का बाद में निर्माण
  - ↳ भारत (नेहरू), मिस्र, इंडोनेशिया आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2) अंतर्राष्ट्रीय सामंजस्य संस्थाओ की मांग

↳ 24 अक्टुबर 1945 > संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO)

↳ ब्रेटेनवुड संस्थाए

→ IMF (अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक फंड)

→ विश्व बैंक (WB) की स्थापना।

3) औपनिवेशिक देशो पर प्रभाव

→ जबरजस्ती सेना में भर्ती करना।

→ राजनीतिक उथापथल > चीन में क्रांति (1948)

उदाहरण - भारत में अगस्त प्रस्ताव (1940)

कैबिनेट मिशन (1942) भेजा जाना

4) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओ का उभरना

→ साम्राज्यवाद के खिलाफ जंग

→ शक्ति विकेन्द्रियकरण पर बल

↳ राजसत्ता को लोकतंत्र में बदलना।

उदाहरण:- भारत में लोकतंत्र,

ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका मे लोकतंत्र

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) बंद राजनीतिक व्यवस्थाएं

- विभिन्न देशो ने युद्ध की विभीषिका देखकर आर्थिक - क्रियाओ की प्रवाह पर पाबंदी लगाई
  - क्षेत्रीय गुटो की जगह बड़े -बड़े गुट मे शामिल।
  - वैश्विक परिदृश्य से खुद को दूर किया।

उदाहरण : कोरिया आदि।

(6) अन्य राजनीतिक प्रभाव
- राज्य की अराजकता पर प्रश्न चिन्ह
- परमाणु बम प्रयोग पर सवाल
- डीमोक्रेसी, प्लुटोक्रेसी के खतरे
- विचारधाराओ का संकट
- मानवतावादी राजव्यवस्था पर चिंतन।

द्वितीय विश्व युद्ध स्वयं में त्रासद घटना थी जिसमे सुधार। सीख कर संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व संसद तथा 'कास्मोपोलिटियन नागरिक' जैसे विचार जन्म लिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्यिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को आकार देने में रूमी, बुल्ले शाह और कबीर जैसे प्रमुख सूफी कवियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of prominent Sufi poets like Rumi, Bulleh Shah, and Kabir in shaping the literary and spiritual landscape of the subcontinent. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय उपमहाद्वीप विभिन्न संस्कृति के सामंजस्य का समुच्चय है जिसको पल्लवित करने में सूफी संतो की विशेष भूमिका रही है।

सूफी कवि
- → इस्लाम विचारधारा से प्रभावित
- → सत्य, भाईचारा और प्रेम का संदेश देना।
- → सामाजिक-सांस्कृतिक एकता के पक्षधर

उदाहरण:- कबीर, रूमी, बुल्लेशाह, चिश्ती आदि

साहित्यिक परिदृश्य को आकार देने में सूफी कवियो की भूमिका

- → साहित्यिक ग्रंथो का निर्माण
  जैसे- कबीर का बीजक
- → लोकभाषा को काव्यभाषा बनाया।
  eg. सधुक्कड़ी भाषा, फारसी भाषा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- साहित्य को सामाजिक चेतना से जोड़ा।

उदा. बुल्लेशाह ने आमजन की बात कही।

- साहित्यिक ग्रंथो में 'प्रेमतत्व'. ईश्क मजाजी से ईश्क हकीकी की अवस्था तक पहुँचना।

उदाहरण÷ रूमी के नैतिक उद्धरण।

- एक ईश्वर की अवधारणा। > एकेश्वरवाद
  - साहित्यिक दर्शन को बढ़ाया।
- साहित्य को शब्द संसार, नवीन उपमानो की प्राप्ति।
- रमणीयता, सौंदर्य को बढ़ाया।

उदाहरण÷ " तलफै बिन बालम मोर जिया।"
- कबीर

आध्यात्मिक परिदृश्य को आकार देने में इन सूफी संतो की भूमिका

- ★ प्रेम के माध्यम से ईश्वर और भक्त के मध्य बंदा और नायिका का संबंध।

उदाहरण: बुल्लेशाह द्वारा अपनी कथनी में हाल अवस्था, बक़ा, फना का वर्णन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* नृत्य और संगीत माध्यम के रूप में

* आध्यात्मिकता में "इश्क-ए-हीना" अर्थात् क़ुरान के अलावा "सामान्य समझ" का भी महत्व बताया।

* ईश्वर का आकार > दरगाह के रूप में
  ↳ भक्तजनो का तादात्म्य ईश्वर से सीधा हो सके।

साहित्य और अध्यात्मव के समक्ष चुनौति
→ साहित्य को सजगता नहीं
→ ग्रंथो में बाहर से क्षेपण
→ भारत में अन्य धर्मों के लोगो पर पर्याप्त ध्यान नहीं
→ इस्लाम धर्म में वैचारिक टकराव।

सूफी संत परम्परा भारतीय दर्शन, साहित्य और अध्यात्म को पल्लवित कर आज भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बन "गंगा जमुनी तहज़ीब" बना रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. प्रारंभिक वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक महिलाओं की भूमिका और स्थिति कैसे विकसित हुई? (250 शब्द) 15

How did the role and status of women evolve from the early Vedic period to the later Vedic period? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैदिक कालीन समाज 1500 ईसा पूर्व से 600 ई.पू. तक रहा जिसमें महिलाओ की स्थिति एवं भूमिका में नाटकीय परिवर्तन रहा।

प्रारम्भिक वैदिक काल (1500-1000 BC) में महिलाओ की भूमिका और स्थिति

- स्त्रियो को शिक्षा का अधिकार
  उदाहरण- अपाला, घोषा, लोपामुद्रा आदि।
- पुरुषो के समान संपत्ति एवं अन्य क्षेत्रो में अधिकार
- स्त्री, समाज में गौरव और सम्मान जनक निगाह से देखी जाती थी।
- कुल मिलाकर स्त्री की दशा अच्छी थी।

"यत्र नार्यस्तु पूज्यते, रमंते तत्र देवता" का भाव
— मनुस्मृति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर वैदिक काल में स्त्री दशा में बदलाव

→ स्त्री को उपेक्षा की नजर से देखा गया।

→ अधिकारो में असमानता

महिलाओ की भूमिका और स्थिति में बदलाव का कारण

> शक्ति में वृद्धि

→ राजा की शक्ति अधिक हुई।

→ शक्ति केन्द्रियकरण → जनभागीदारी में कमी ↓ पुरुषो का वर्चस्व ↑

→ महिलाओ को अधिकार नहीं।

> लोहे की खोज और खाद्यान्न अधिशेष

→ पुरुषो द्वारा खेती

→ पुरुषो के अधिकारो में वृद्धि

> राजनीतिक परिवर्तन

→ गणतंत्र की जगह राजतंत्र हावी।

→ जनपद। राजा मे शक्ति केन्द्रियकरण ↑

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

▷ शिक्षा एवं संपत्ति का अधिकार नहीं
↳ महिलाओं को बुनियादी शिक्षा ग्रहण का अधिकार नहीं
↳ व्यक्तित्व विकास में बाधा।

▷ युद्ध की स्थितियाँ।
→ उत्तर वैदिक काल में बाह्य कबीलो द्वारा युद्ध बढ गए।
→ आक्रमण कारियो द्वारा गाय, स्त्रीयो, बच्चो को प्रमुख निशाना बनाना।
→ स्त्रियों को चारदिवारी में रखा जाने लगा।

अन्य कारण
→ आडंबर एवं कर्मकाण्डी विचार
→ वेदो, स्मृतियो, ऋचाओ, ग्रंथो की गलत व्याख्या।
→ राजनीतिक षडयंत्र एवं चाटुकारिता।

संस्कृति में नवीन मूल्यों के आने से भारतीय महिलाओ की स्थिति कम होने लगी जो लंबे कालखण्ड पश्चात सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन (1800-1900 ई.) मे सुधरी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. सोवियत संघ के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिये। साथ ही, चर्चा कीजिये कि इसने क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे परिवर्तित किया। (250 शब्द) 15

Highlight the factors leading to the collapse of the Soviet Union. Also, discuss how it changed the political landscape of the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सोवियत संघ, द्वितीय विश्व युद्ध पश्चात सबसे बड़े भौगोलिक क्षेत्र के रूप मे उभरा जिसका पतन 1990 में हुआ।

सोवियत संघ के पतन के कारण

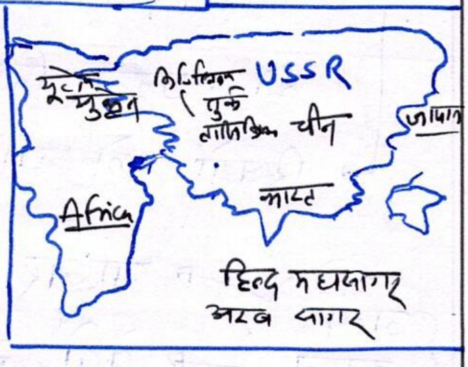

① दीर्घकाय भौगोलिक क्षेत्र

↳ ① USSR विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र था

↳ ② पूर्व में प्रशांत महासागर से लेकर पश्चिम में यूरोप तक फैला

↳ ③ प्रशासकीय नियंत्रण रखना कठीन।

उदाहरण: रूस ने अलास्का अमेरिका को दिया।

↳ ④ अमेरिका तथा नाटो देशो की क्रियाविधि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- रूस से सटे देशों का विद्रोह एवं सांस्कृतिक आक्रोश

↳ तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान तथा अन्य यूरोपीय देशों द्वारा विद्रोह

- आर्थिक संकट की स्थिति

↳ 1980 के दशक पश्चात से ही अर्थव्यवस्था में वैश्विक बदलाव आ रहा था।

↳ USSR अपनी आर्थिक नीति सुधार नहीं सका

↳ समाजवादी मूल्यों पर शासन व्यवस्था उचित तरीके से नहीं चली।

परिणामतः 1990 में विभाजन हो गया।

⇓

USSR के विघटन से राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की स्थितियाँ

→ जो दुनिया दो गुटों में बंटी हुई थी, उसकी सैद्धांतिक समाप्ति।

→ शीत युद्ध (Cold war) की स्थिति टूटती हुई दिखी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ अमेरिका विश्व शक्ति के रूप में उभरा।

→ NATO की स्थिति अधिक सुदृढ़
  ↳ वर्तमान में 31 सदस्य।

→ समाजवादी मूल्यों के साथ रूस ने पूँजीवादी तत्वो को धारण किया।

→ रूस मे लेनिन तथा स्टालिनवाद अवधारणा में बदलाव।

→ 1991 में पुरा विश्व आर्थिक संकट से गुजरा। उदाहरण :- भारत।

स्पष्टतः USSR का विघटन विश्व इतिहास की प्रमुख वाटरशेड घटना है जिसके प्रभाव आज के समय में भी हमें दिखते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। वर्तमान संदर्भ के साथ इसकी स्पष्ट समानताओं को इंगित कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the distinctive features of the Indus Valley Civilization. Point out the similarities in the present context. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिंधु घाटी सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीन नगरीय सभ्यता है जिसका समयकाल 2500 BC से 1700 BC तक मानते हैं।

सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताएँ

(क) सामाजिक विशेषताएँ

- खान पान संस्कृति व वृक्षों की पूजा।
- आभूषण प्रिय समाज
- शव को जलाने (मोहनजोदड़ो) तथा दफनाने (हड़प्पा) की प्रक्रिया
- मातृसत्तात्मक समाज

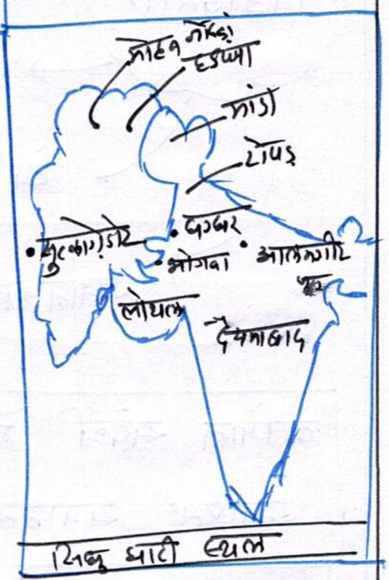

(ख) धार्मिक विशेषता

- मंदिर के साक्ष्य नहीं
- पशुपतिनाथ की मूर्ति
- प्रकृति पूजा में विश्वास
  उदाहरण- मातृदेवी के पेट से निकलता हुआ पेड़
- पीपल के वृक्ष की पूजा
  उदाहरण:- मुद्रा पर अंकन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ख) आर्थिक विशेषताएं → मेसोपोटामिया - मेलूहा संस्कृति के व्यापार
→ सोना-चाँदी आभूषण का वाणिज्य
→ वस्तु विनिमय प्रणाली आदि।

अन्य विशेषताएं → सड़क योजना
→ नाली बनाना > स्वच्छता
→ सड़कों का घर के पीछे खुलना
→ दो भागो < ऊपर / नीचे घर निर्माण
→ स्नानागार, अन्नागार, भण्डारगृह आदि।

वर्तमान संदर्भ में सिंधु घाटी सभ्यता की स्पष्ट समानताएं के लक्षण / दृश्य

→ स्वच्छता के प्रति सजग
↳ नाली की व्यवस्था, उन्हें पर्याप्त ढंकना तथा कचड़े का उचित निस्तारण करना।

उदाहरण : स्वच्छ भारत मिशन (2014)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② नगर नियोजन

→ उचित गणितीय ज्यामितीय आधार पर नगरों, किलों का निर्माण

→ दुर्ग/प्राचीर सुरक्षा की दृष्टि से।

उदाहरण: स्मार्ट सीटी मिशन कार्यक्रम, भारत सरकार

③ मापन पद्धतियाँ

→ बाट का प्रयोग

→ व्यापार-वाणिज्य अन्य देशों से

भारत द्वारा Economic Free trade Agreement करना।

④ प्रकृति का महत्व

→ हड़प्पा में प्रकृति को माँ माना → मिशन Life जीवन शैली पर्यावरण के अनुकूल।

→ प्रकृति की संरक्षण पूजा

Latest

⑤ धार्मिक चिन्ह - स्वास्तिक

स्पष्टतः हड़प्पा सभ्यता हमारी प्राचीन धरोहर होने के साथ वर्तमान में भी हमें दिशानिर्देशित कर विकसित भारत तथा "विकास भी - विरासत भी" के सपना साकार कर रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. विश्वभर में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनों और राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyze the influence of the Russian Revolution on anti-colonial movements and national liberation struggles across the globe. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जारशाही निरंकुशता के विरुद्ध 1917 ई. में रूस की क्रांति घटित हुई, जो आगामी समय में उपनिवेशी शोषित देशो हेतु प्रेरणास्त्रोत बनी।

रूसी क्रांति के प्रभाव → अनिवेशवाद विरोधी आंदोलन तथा राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों में

↳ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन

↳ 1947 में भारत को आजादी मिली।

↳ ~~1757~~-1947 तक 200 वर्षों तक अंग्रेजो का शासन

↓

जब गांधी भारत आए (1915) तब उन्होंने रूस की क्रांति से 'न्याय' का मूल्य लिया

↓

उग्रवादी क्रांतिकारियो ने क्रांति की चेतना ली।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② चीनी स्वतंत्रता आंदोलन

→ माओ के नेतृत्व में हुआ हिंसात्मक आंदोलन

→ लेनिनवाद और स्टालिनवाद से अधिक प्रभावी।

→ समाजवाद तथा साम्यवादी के प्रति प्रकट।

⇓

1948 में चीन को आजादी मिली।

③ अन्य आंदोलन

→ जापानी आंदोलन को सहारा।

→ अफ्रीकन उपनिवेशी वाद विरोधी आंदोलन को बल

↳ दक्षिण अफ्रीका > नेलसन मंडेला के नेतृत्व में अश्वेत और श्वेत के विरुद्ध संघर्ष

⇓

दक्षिण अफ्रीका की मुक्ति / स्वतंत्र।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्पष्टतः 20वी शदी का दूसरा दशक 'न्याय' की स्थापना हेतु विश्व विख्यात है जिसकी सीख भारतीय संविधान ने भी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय के रूप में की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. मुगलकालीन चित्रकला ने किस प्रकार भारतीय कला की समृद्ध चित्रयवनिका (टेपेस्ट्री) में योगदान दिया? इसकी विशिष्टताएँ क्या थीं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did the Mughal school of painting contribute to the rich tapestry of Indian art? What were its distinctive features? Elaborate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

चित्रकला भारतीय कला और संस्कृति में प्राचीनकाल से लोकप्रिय रही जिसे जहाँगीर, हुमायुं, अकबर, शहाजहां ने नवीन आयाम प्रदान किए।

मुगलकालीन चित्रकला की विशेषताएं

- फूल-पत्तियो की आकृति
- चित्रांकन एक तरफ से दृश्य - एक तरफ का चेहरा का चित्रांकन।
- क्षेत्रीय शैलियो से तत्वो को सीखा
- निराकर चित्रण
- ज्यामितीय आकृतियो की अधिकता
- अरबी-फारसी शैली में चित्रांकन लेखन पद्धति।
- रंगीन चित्रदार शैली, जिसमे शासको की मुख्य भाव भंगिमा पर विशेष ध्यान.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुगल चित्रकला का भारतीय चित्रकला में योगदान

(क) ज्यामितीय आकृतियों का प्रयोग

↳ हुमायूं ने अपने चित्रकारों से शुरू किया
↓
जहाँगीर काल में महेशदास तथा मंसूर खाँ ने इसे चरम पर पहुँचा दिया।

(ख) रंगीन चित्रकला

↳ प्राचीन काल की तुलना में मुगलकाल में रंगों की विविधता देखने को मिली।
↳ लाल रंग और पीले रंग का प्रयोग अधिकता से।

(ग) क्षेत्रीय चित्रकला निर्माण मे योगदान

↳ राजपूत शैली > बनी ठनी, किशनगढ़ शैली मे योगदान।
↳ मालवा-अंचल चित्रकला में शालीनता तथा "फ्रेम स्ट्रक्चर" का जोड़ना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(D) चित्रकला में औदात्य तथा विविधीकरण

↳ प्रकृति के विभिन्न जातियों का चित्रण

↳ भित्तीय चित्रकला का प्रचलन

↳ दीवार इत्यादि पर फारसी लेखन शैली का अंकन।

भारत को "कलाओं का घर" कहा जाता है। इस घर में चित्रकला की एक सुन्दर अलमारी मुगल कालीन चित्रकला की ही देन है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. शीत युद्ध संघर्ष को आकार देने में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक मतभेदों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of ideological differences between the United States and the Soviet Union in shaping the Cold War conflict. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शीत युद्ध की स्थिति

द्वितीय विश्व युद्ध पश्चात 1946-1990 तक अमेरिका और रूस (USSR) के मध्य बनी रही।

शीत युद्ध को आकार देने में USA तथा USSR के वैचारिक मतभेद की भूमिका

→ शीत युद्ध: ऐसा युद्ध जहाँ तनाव की स्थिति हमेशा बनी रहती है कि किसी भी समय दुश्मन देश द्वारा हमला किया जा सकता हो

वैचारिक मतभेद

→ पूँजीवाद बनाम समाजवाद

* अमेरिका पूँजीवाद का बहुत बड़ा समर्थक जबकि USSR लेनिन तथा स्टालिन के नेतृत्व में मार्क्स से प्रभावित > समाजवाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

↳ अमेरिका वैश्वीकरण, भूमण्डलीकरण, उदारवाद के पक्ष मे जबकि USSR इन मूल्यो के विरोध में।

↳ अमेरिका बाजार को राज्य की शक्ति से अधिक महत्व देता है जबकि USSR राज्य को बाजार से अधिक शक्ति देता है।

↳ अमेरिका खुला आर्थिक तंत्र का पक्षधर तो वही USSR बंद, आर्थिक तंत्र का पक्षधर।

↳ USA, अमीरो से कर लेकर गरीबो को देता है जबकि USSR गरीबो को हिंसक क्रांति से अमीरो के घटाव लाने पर बल देता है।

↳ USA, मिश्रित संस्कृति मे यकीन रखता है जबकि USSR रूस की संस्कृति को अधिक बल देता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्पष्टत: तत्कालीन समय के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मतभेदों ने USA तथा USSR के मध्य शीत युद्ध की स्थिति खड़ी कर दी। जो 1990s के दशक में समाप्त हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation